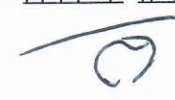


आतिरिक्त जिला कलेक्टर  
कोटपुलगी (जयपुर)



न्यायालय में सुनाया गया ।

8. निर्णय आज दिनांक 23.1.19 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर सरे इजलास खुले तकमील दाखिल दफतर है।

निर्देश दिये जाते हैं कि पालना सुनिश्चित करें। पत्रावली फंसल शुमार होकर बाद राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के आदेश दिये जाते हैं। तहसीलदार (भू.अ.) कोटपुलगी को 1879/138 रकबा 1.00 हैक्टर है। इसे अपास्त किया जाकर उक्त भूमि को गै.मु. पहाड़ 138 ग्राम बुचारा में से 1.00 हैक्टर भूमि आवंटन हुयी थी, जिसके बट्टा नम्बर है तथा दिनांक 23/01/1992 को अप्रार्थीगण के बुजुर्ग नारायण पुत्र नाथू को आ.ख.नं. 7. अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता

भूमि के आदेश अपास्त किया जाना स्थिति है।

02 लगायत 13 के बुजुर्ग नारायण पुत्र नाथू को दिनांक 23/01/1992 को आवंटन हुयी पहाड़ की भूमि किसी भी व्यक्ति को आवंटन नहीं हो सकती है। इसलिए अप्रार्थी संख्या जो गै.मु. पहाड़ के रूप में दर्ज होते हुये आवंटन हुयी है, जो गलत है। क्योंकि गै.मु. 13 के बुजुर्ग नारायण पुत्र नाथू को दिनांक 23/01/1992 को भूमि आवंटन हुयी थी, बुचारा का ख.नं. 138 किस गै.मु. पहाड़ अंकित है, जिसमें अप्रार्थीगण संख्या 02 लगायत कमी कायल की हो। पत्रावली में उपलब्ध मिसल बन्दोबस्त सम्वत् 2037 से 2056 से ग्राम नहीं किये है ना ही कब्जा कायल बाबत गिरदावरियां पेश की है, जिससे उक्त भूमि पर कब्जा होना बताया है। कब्जा कायल बाबत दोनों पक्षों ने कोई ठोस साक्ष्य सभूत पेश

द्वैतिक प्रार्थी व अप्रार्थीगण के अधिवक्ताओं द्वारा आवंटित भूमि पर अपना-अपना आदेश प्रदान करें ।